Date ...../...../.....
Page .....

पाठ - 4 दिन: शनिवार

वाक्य विचार दिनांक: 29/04/2020

• **वाक्य :-** दो या दो से अधिक शब्दों के उस समूह को, जिससे कोई बात स्पष्ट रूप से जानी जाती है अर्थात् जिससे किसी बात का पूरा तात्पर्य स्पष्ट होता है, वाक्य कहते हैं।

उदाहरण :-
1. रोहित स्कूल जाता है।
2. सीता पत्र पढ़ती है।

उपर्युक्त उदाहरण वाक्य हैं, क्योंकि इनमें कहे गए कथन स्वयं में पूर्ण हैं। इनमें कही गई बातें अपना अर्थ स्पष्ट कर देती हैं।

• **वाक्य रचना :-** कर्ता और क्रिया वाक्य के अनिवार्य अंग होते हैं। इनके बिना वाक्य कभी नहीं बन सकते।

कर्ता और क्रिया के आधार पर वाक्य के निम्नलिखित दो अंग हैं -

1. **उद्देश्य :** वाक्य में जिस वस्तु या व्यक्ति के विषय में कुछ कहा जाता है, वह उद्देश्य कहलाता है।

जैसे : रोहित गाता है।
इस वाक्य में 'रोहित' के बारे में कहा गया है; अतः रोहित उद्देश्य है।

२. विधेय : वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ भी कहा जाता है, वह विधेय कहलाता है।
जैसे : गीता पत्र लिखती है।
वाक्य में 'गीता' उद्देश्य है तथा 'पत्र लिखती है' विधेय है।

* निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य और विधेय छाँटिए :-

		उद्देश्य	विधेय
१.	सीमा ने पाठ याद किया।	सीमा ने	पाठ याद किया
२.	हसन ने एक मोटा-सा बकरा खरीदा।	हसन ने	एक मोटा-सा बकरा खरीदा
३.	मीना ने मीठे आम खरीदा।	मीना ने	मीठे आम खरीदे

४.	मैंने सारे कपड़े धो दिए।	मैंने	सारे कपड़े धो दिए
५.	मेरा कुत्ता घर से भाग गया।	मेरा	कुत्ता घर से भाग गया।
६.	माँ ने खाना बनाया।	माँ ने	खाना बनाया।
७.	दुकानदार ने सामान तौल लिया।	दुकानदार ने	सामान तौल दिया।